विश्व निर्यात व्यापार में भारत का अंश

***587. श्री माधवराव सिंधिया :**
श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या विश्व निर्यात व्यापार में भारत का अंश 1963 में 1.2 प्रतिशत से घटकर वर्ष 1973 में 0.6 प्रतिशत रह गया है;

(ख) इसके क्या कारण हैं और गत तीन वर्षों में इस बारे में क्या कदम उठाये गये हैं और अब क्या कदम उठाने का विचार है

(ग) क्या निर्यात व्यापार बढ़ाने के लिए कोई नई योजना बनाई जा रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) :(क) जी हां।

(ख) से (घ). विश्व के निर्यात व्यापार में भारत का अंश कम हो जाने के लिए बाह्य तथा आन्तरिक दोनों प्रकार के अनेक कारण हैं। विश्व व्यापार का पैटर्न ही ऐसा है कि मूल उत्पादों की अपेक्षा निर्मित माल के सम्बन्ध में वृद्धि दर अपेक्षाकृत काफी ऊंची है। इसके अतिरिक्त, मूल उत्पादों के लिए मिलने वाला इकाई मूल्य सामान्यतः कम रहता है जबकि निर्मित माल का मूल्य अनवरत बढ़ता रहता है। ऐसी स्थिति में अधिकतर परम्परागत और मूल (फ्राइमरी) माल के निर्यातों पर निर्भर रहने वाले भारत जैसे देश का विश्व व्यापार में अंश तब तक कम बना रहेगा जब तक कि निर्यातों का और अधिक विविधीकरण नहीं हो पाता। इन बातों के अलावा जहाजों में जगह/जहाजी भाड़े, मुद्रा सम्बन्धी उतार-चढ़ाव, संश्लिष्टों

से प्रतियोगिता, कतिपय प्रकार के आधारभूत कच्चे माल की कमी, कम घरेलू उत्पादन, घरेलू मांग में वृद्धि, मुद्रास्फीति के दबाव सम्बन्धी सभी समस्याओं का इसमें योगदान है।

निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किये गये उपायों में ये शामिल हैं : निर्यात-अभिमुख उद्योगों का उत्पादन आधार मजबूत बनाना, निर्यात संभाव्यता वाली मदों और क्षेत्रों का पता लगाना, नकद मुआवजा सहायता और आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंसों से सम्बन्धित क्रिया-विधि को सरल बनाना, निर्यात सवर्धन/उत्पादन के लिए आयात नीति का अभिविन्यास, मंत्रालय का पुनर्गठन आदि। विदेशी बाजारों का पता लगाने, निर्यात के लिए देशी माल पैदा करने तथा निर्यात बढ़ाने की दिशा में अनवरत प्रयत्न किये जाते हैं। आशा है कि इन उपायों और हालात के मुताबिक किये जाने वाले अन्य उपायों के फलस्वरूप भारत के निर्यातों की वृद्धि दर विश्व निर्यातों के समकक्ष पहुंच जायेगी और उसमें हमारे अंश में हुई गिरावट रुक जायेगी।

Raids by income tax authorities

*588. SHRI SHASHI BHUSHAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the total number of raids conducted by Income-Tax Authorities in Delhi, Bombay, Calcutta and Madras during the last six months ending 31st July, 1974, city-wise;

(b) the amount of black money unearthed during this period;

(c) the number of bank lockers sealed; and

(d) the names of persons involved and the action taken or proposed to be taken against them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. R. GANESH): (a) to (d). A state-